समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Saturday, 26 September 2026

‘Non-Veg Milk’ पर अटकी भारत-अमेरिका ट्रेड डील : आखिर क्या है यह और क्यों है विवाद ?

Publisher

Published on 17 Jul 2025

भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से लंबित **ट्रेड डील** एक बार फिर विवादों में है। इस बार मामला है अमेरिका के **डेयरी उत्पादों** पर, जिसे भारत में ‘**Non-Veg Milk**’ के नाम से देखा जा रहा है। भारत सरकार को आपत्ति है कि अमेरिकी डेयरी प्रोडक्ट्स, खासकर दूध और उससे बने उत्पादों के **उत्पादन प्रक्रिया मे पंशु-व्युत्पन्न तत्वों** का उपयोग किया जाता है।

क्या होता है ‘नॉन वेज मिल्क’ ?

‘**नॉन वेज मिल्क**’ शब्द तकनीकी रूप से गलत जरूर लगता है क्योंकि दूध शाकाहारी माना जाता है, लेकिन इसका इस्तेमाल तब होता है जब दूध या उससे बने उत्पादों की **प्रोसेसिंग मे जंानवरों से प्राप्त सामग्री**, जैसे:

- **रेननेट (Rennet)** – जो गाय या बकरी के पेट से निकाला जाता है, और जिसका उपयोग चीज़ (Cheese) बनाने में होता है।
- **एनिमल एंजाइम्स** – जो प्रोसेसिंग में लगाए जाते हैं।

भारत में ज्यादातर लोग दूध को शुद्ध और शाकाहारी मानते हैं। लेकिन अमेरिका और यूरोप में डेयरी प्रोसेसिंग में ये एनीमल-बेस्ड एजेंट्स इस्तेमाल किए जाते हैं।

भारत की आपत्ति क्या है ?

1. **धार्मिक और सांस्कृतिक कारण** – भारत में विशाल आबादी शाकाहारी है और दूध को ‘पवित्र’ मानती है।
2. **लेबलिंग की पारदर्शिता नहीं** – अमेरिकी प्रोडक्ट्स में अक्सर यह साफ नहीं लिखा होता कि उसमें रेननेट या अन्य एनीमल एंजाइम्स हैं या नहीं।

3. **सुरक्षा मानक और पशु कल्याण** – भारत को अमेरिकी प्रोडक्ट्स की पशु-कल्याण संबंधी प्रैक्टिस पर भी सवाल हैं।

?? अमेरिका क्या चाहता है ?

- अमेरिका चाहता है कि भारत **अपने डेयरी सेक्टर को विदेशी निवेश और आयात के लिए खोले**।
- अमेरिकी कंपनियों को भारत में **डेयरी उत्पाद बेचने की इजाजत** मिले।
- **टैरिफ मे रियायत** और व्यापार में खुलापन सुनिश्चित किया जाए।

क्यों रुकी है ट्रेड डील ?

- भारत के लिए डेयरी सेक्टर सिर्फ एक कारोबार नहीं, बल्कि **संवेदनशील और सामाजिक-आर्थिक मामला** है।
- भारत सरकार स्थानीय किसानों और उपभोक्ताओं की भावनाओं को नजरअंदाज नहीं कर सकती।
- अमेरिका '**फूड सेफ्टी और सांस्कृतिक आपत्ति**' के मुद्दे को व्यापार बाधा मानता है।

भारत का क्या विकल्प है ?

- भारत अमेरिका से मांग कर रहा है कि जो भी डेयरी प्रोडक्ट्स भेजे जाएं, वे **100% वेजिटेरियन हों** और **पैकेजिंग पर स्पष्ट लेबलिंग** हो।
- भारत को यह सुनिश्चित करना है कि अमेरिकी प्रोडक्ट्स **स्थानीय डेयरी उद्योग को नुकसान** न पहुंचाएं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.